सपनों के घर का निर्माण

***

त्रिपुरा के श्री मारक की प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना से लाभान्वित होने की यात्रा

***

26 नवंबर, 2024

नई दिल्ली...

त्रिपुरा के बांस आच्छादित परिदृश्य और हरियाली परंपरा और स्थिति अनुरूप ढलने की कहानियां सुनाती हैं। यहां के शांत माहौल में **मानु आरडी ब्लॉक के जामिरचेरा वीसी में** एक सामान्य ग्रामीण **श्री निकेश मारक** रहते हैं। वर्षों से उनका परिवार कच्चे घर में रह रहा था - जिसकी दीवारें मिट्टी की बनी थीं और छत बांस के थे। ये दोनों ही मौसम की मार झेल रहे थे। हर मानसून उनके लिए अनिश्चितता से भरा होता था जिसमें दरारों से बारिश का पानी रिसकर घर में पहुंचता था और तेज हवाओं से छत के उड़ने का खतरा रहता था।

लेकिन आज, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (पीएमएवाई-जी) के कारण श्री मारक का जीवन ही बदल गया है। जो **परिवर्तन, स्थिति अनुरूप अनुकूलन और आशा** की कहानी है।

धलाई जिला, त्रिपुरा

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत प्रखंड प्रशासन के सहयोग से, **श्री मारक ने स्थिर मिट्टी ब्लॉक (एसएमबी)** तकनीक और बांस के उन्नत छत से अपने घर को पक्का कर लिया है। नया घर उन्हें और उनके परिवार को सुरक्षा, आराम और आपदा से निपटने की क्षमता प्रदान करता है। साथ ही यह पर्यावरण अनुकूल ग्रामीण आवास प्रचलन आरंभ होने का प्रमाण भी है। **बेहतर निर्मित पक्के घर से श्री मारक अब सुरक्षित महसूस करते हैं और उनके जीवन में बदलाव आ गया है।**

इस क्षेत्रीय भाग श्री मारक की कहानी अकेली नहीं है। समूचे त्रिपुरा में इस तरह का शांतिपूर्ण क्रांतिकारी परिवर्तन चल रहा है, जिसने उन जैसे कई परिवारों का जीवन बदल दिया है। **त्रिपुरा के सतचंद आरडी प्रखंड** में **एसएमबी तकनीक** जैसे उपायों में परंपरा और नवाचार का मेल देखा जा रहा है। इस तकनीक में स्थानीय तौर पर उपलब्ध मिट्टी में थोड़ी मात्रा में सीमेंट या चूना मिलाकर मिट्टी के ब्लॉक तैयार किए जाते हैं। इन ब्लॉकों में पकी हुई ईंट की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे निर्माण लागत में काफी कमी आती है और पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। इस मॉडल में स्थिरता के लिए बांस की छतें बनाई जाती हैं जिसका जीवनकाल 75 वर्ष तक रहता है। यह टिकाऊ मकान देने के साथ ही स्थानीय उपलब्ध संसाधनों का उपयोग भी सुनिश्चित करता है जो सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है।

इस पहल के केंद्र में **स्थानीय स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) हैं,** जिनमें मुख्य रूप से ग्रामीण महिलाएं शामिल हैं। ये समूह स्थिर मिट्टी ब्लॉक-एसएमबी बनाने में सहायक रहे हैं। इस कार्य से उनकी आय में बढ़ोतरी के साथ ही उनके कौशल में भी निखार आया है और उनका समुदाय मजबूत हुआ है। आवास और आजीविका का यह मेल सहजीवन समावेशी भावना की पहल को दर्शाता है। वहां निर्मित प्रत्येक घर में संयुक्त समुदायिक प्रयास परिलक्षित होते हैं।

ये परिवर्तन **प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (पीएमएवाई-जी)** के कारण संभव हुआ है, जो पूरे भारत में ग्रामीण समुदायों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है। विशेषकर त्रिपुरा जैसे राज्यों में किए जा रहे अभिनव उपाय ग्रामीण आवासों को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। **20 नवंबर 2016** को आरंभ की गई इस योजना के अंतर्गत समाज के सबसे निर्धन लोगों को आवास उपलब्ध कराई जाती है। अब तक **2.67 करोड़ से अधिक घरों** का निर्माण पूरा होने के साथ ही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना संवहनीय नीतियों और सामुदायिक भागीदारी की परिवर्तनकारी शक्ति का उदाहरण बन गया है। त्रिपुरा के प्राकृतिक वातावरण में इस कार्यक्रम ने आवास निर्माण पहल में **टिकाऊ, सस्ते और समावेशिता** एकीकृत कर नया मानदंड स्थापित किया है। ये प्रयास प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसने त्रिपुरा और उसके बाहर ग्रामीण आवासों को नया स्वरूप दे दिया है। राज्य में ऐसे **3.5 लाख से अधिक** घर बनाए गए हैं, जो दीर्घकालीन आश्रय के साथ ही सुगम जीवन भी प्रदान करते हैं।

त्रिपुरा में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना इसका प्रमाण है कि समावेशिता में नवाचार के उपयोग से बड़ा लक्ष्य संभव है। समुदायों की भागीदारी से स्थानीय संसाधनों के उपयोग और संधारणीय प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इस कार्यक्रम ने किफायती, आपदा-रोधी आवास के सपने को वास्तविकता में बदल दिया है। श्री मारक जैसे परिवारों के लिए, ये घर सिर्फ़ दीवारें और छतें नहीं हैं - ये **सुरक्षा का वादा, आकांक्षाओं का पूरा होना और निष्कंटक जीवन जीने की जगह है**। त्रिपुरा में यह आवास क्रांति एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ता कदम है जहां हर परिवार के पास सिर्फ़ रहने का ठिकाना नहीं, बल्कि अपना घर होगा।

संदर्भ

https://pmayg.nic.in/netiay/PBIDashboard/PMAYGDashboard.aspx
https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specialdocs/documents/2024/nov/doc2024111943 7801.pdf

***

एमजी/केसी/एकेवी/एसके

Backgrounder ID: 153457